ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शुक्रवार 27 नवम्बर 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 203

पृष्ठ 4

लोकसभा में अब 815 सांसदों की तैयारी, 25 साल तक नहीं बदलेगा राज्यों का प्रतिनिधित्व

कैबिनेट ने 50% सीटें बढ़ाने के प्रस्ताव पर लगाई मुहर, 30 नवंबर से संसद में सियासी परीक्षा; महिला आरक्षण को 2029 से लागू करने की कवायद



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। देश की संसद अब पहले से करीब डेढ़ गुना बड़ी होने जा रही है। केंद्र सरकार ने लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर 815 करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यानी सदन में 272 नए सांसदों के लिए जगह बनेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव पर सहमति बनी। सरकार का लक्ष्य इस बदलाव के जरिए महिला आरक्षण को 2029 के लोकसभा चुनाव से लागू करने का रास्ता खोलना है। इस प्रस्ताव का एक अहम पहलू यह है कि सीटें बढ़ने के बावजूद राज्यों के बीच प्रतिनिधित्व का मौजूदा अनुपात अगले 25 साल तक कायम रखने की योजना है। इसके लिए सभी राज्यों की लोकसभा सीटों में समान रूप से 50 प्रतिशत वृद्धि का फॉर्मूला रखा गया है। सरकार के इस कदम को दक्षिणी राज्यों की उस चिंता का जवाब माना जा रहा है, जिसमें जनसंख्या आधारित परिसीमन से उनका संसदीय प्रतिनिधित्व घटने की आशंका जताई जा रही थी।

30 नवंबर से संसद में अग्निपरीक्षा

कैबिनेट की मंजूरी के बाद अब सरकार की नजर संसद के विशेष सत्र पर है। लोकसभा में 30 नवंबर और राज्यसभा में 2 दिसंबर से विधेयक पर प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है। संविधान संशोधन होने के कारण इसे पारित कराने के लिए दोनों सदनों में मौजूद और मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई समर्थन की जरूरत होगी। ऐसे में सरकार के लिए विपक्षी दलों और क्षेत्रीय पार्टियों को साथ लाना आसान नहीं होगा।

अप्रैल की हार से सबक, बदला सीटों का फॉर्मूला

सरकार इससे पहले अप्रैल 2026 में भी परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक लेकर आई थी, लेकिन लोकसभा में उसे जरूरी बहुमत नहीं मिला। विधेयक के पक्ष में 298 और विरोध में 230 वोट पड़े थे। पारित होने के लिए 352 मतों की जरूरत थी। इस बार सरकार ने सभी राज्यों की सीटें समान अनुपात में बढ़ाने और उनके बीच मौजूदा हिस्सेदारी सुरक्षित रखने का फॉर्मूला सामने रखा है।

महिला आरक्षण के साथ सियासी गणित भी अहम

2023 में पारित महिला आरक्षण कानून के तहत लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान है। इसका क्रियान्वयन जनगणना और परिसीमन से जुड़ा है। सरकार अब इसे 2029 के चुनाव से लागू करना चाहती है। दूसरी ओर कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि सरकार विधेयक पारित कराने के लिए राजनीतिक दलों में फूट डालकर बहुमत जुटाने की कोशिश कर रही है। आरजेडी सांसद मनोज झा ने भी सरकार की पहल पर सवाल उठाए हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष से विधेयक पर बहस में शामिल होने की अपील की है।

क्षेत्रीय दलों के रुख पर टिकी नजरें

डीएमके सहित कई क्षेत्रीय दल राज्यों की मौजूदा हिस्सेदारी सुरक्षित रखने की गारंटी चाहते हैं। एनसीपी के नेता जितेंद्र आव्हाड ने पार्टी की ओर से प्रस्ताव का समर्थन करने की बात कही है। 28 नवंबर को विपक्षी INDIA गठबंधन की बैठक में भी इस मुद्दे पर रणनीति तय होनी है। अब संसद का विशेष सत्र तय करेगा कि 815 सदस्यों वाली लोकसभा और महिला आरक्षण की दिशा में सरकार को राजनीतिक सहमति मिल पाती है या नहीं।

20 पंचायत समितियों में भाजपा के 11 प्रधान, कांग्रेस के 8, एक सीट निर्दलीय के खाते में

सायरा में पूर्व खेल राज्यमंत्री डॉ. मांगीलाल गरासिया जीते, नयागांव में दयाराम परमार के भाई बने प्रधान, वल्लभनगर में पूनम मेनारिया निर्विरोध, विवेक कटारा गिर्वा में हारे, भींडर में प्रीति शक्तावत और कुबेरसिंह चावड़ा के बीच तीखी बहस



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले की 20 पंचायत समितियों में शुक्रवार को प्रधान पद के चुनाव के नतीजे सामने आए। दोपहर तीन बजे के बाद मतगणना और परिणामों का सिलसिला शुरू हुआ। कुल 20 में भाजपा ने 11 पंचायत समितियों में प्रधान बनाए, जबकि कांग्रेस को 8 सीटें मिलीं। झाड़ोल में निर्दलीय प्रत्याशी ने जीत दर्ज की। चुनाव में सियासी दिग्गजों के परिवारों की भी प्रतिष्ठा दांव पर रही। सायरा में पूर्व खेल राज्यमंत्री डॉ. मांगीलाल गरासिया प्रधान चुने गए, जबकि नयागांव में खेरवाड़ा विधायक दयाराम परमार के भाई पन्नालाल परमार ने जीत हासिल की। वल्लभनगर में भाजपा की पूनम मेनारिया निर्विरोध प्रधान बनीं। यहां कांग्रेस के पास केवल एक सदस्य होने से पार्टी प्रत्याशी का नामांकन दाखिल नहीं हो पाया।

भींडर में प्रधान चुनाव के दौरान सबसे ज्यादा हंगामा हुआ। कांग्रेस की पूर्व विधायक प्रीति शक्तावत ने पंचायत समिति कार्यालय के बाहर आरोप लगाया कि पार्टी की प्रत्याशी दिव्या तंवर और उनके पति रणजीत सिंह लापता हैं। उन्होंने आशंका जताई कि दोनों निम्बाहेड़ा विधायक श्रीचंद कृपलानी और वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी के कब्जे में हैं। इस मुद्दे पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया। मतदान के दौरान प्रीति शक्तावत और स्थानीय स्तर पर बनी कुबेर सेना के कुबेरसिंह चावड़ा के बीच तीखी बहस हो गई। दोनों के आमने-सामने आने से माहौल गरमा गया। भाजपा विधायक उदयलाल डांगी ने बीच-बचाव किया, वहीं पुलिस ने समझाइश कर स्थिति संभाली। आखिरकार भाजपा की राजकुमारी जैन ने कांग्रेस की प्रीतम कुंवर को हराकर प्रधान पद हासिल किया। सायरा में कांग्रेस के बहुमत के बीच डॉ. मांगीलाल गरासिया ने भाजपा के सवाराम को हराया। नयागांव में पन्नालाल परमार ने भाजपा के प्रवीण कुमार डामोर को शिकस्त दी। वल्लभनगर में पूनम मेनारिया पहले ही निर्विरोध निर्वाचित घोषित हो चुकी थीं। सुलाव में भाजपा के रणमल ने गौतम प्रकाश बुम्बरिया को हराया। मावली में पूरण कुंवर ने निर्दलीय सोनिया को पराजित किया। खेरवाड़ा में अनिल डोडा, बड़गांव में अशोक शर्मा और कोटड़ा में नाथा भाजपा की ओर से प्रधान बने। झाड़ोल में भाजपा की आशा देवी के नामांकन वापस लेने के बाद मुकाबला कांग्रेस की राधा देवी और निर्दलीय रेखा देवी के बीच हुआ, जिसमें रेखा देवी विजयी रहीं। कांग्रेस ने ओगणा में मधु देवी, ऋषभदेव में शारदा देवी और घासा में ललित खटीक के जरिए प्रधान पद हासिल किया। देवला में भाजपा की इंद्रा देवी ने कांग्रेस की शिल्पा गरासिया को हराया। ऋषभदेव में शारदा देवी ने भाजपा की मनीषा कुमारी को और घासा में ललित खटीक ने भाजपा की सुंदरबाई को पराजित किया। इस चुनाव में गिर्वा को लेकर भी भाजपा नेताओं ने जीत का दावा किया था। मेयर पारस सिंघवी ने कहा था कि यहां भाजपा के रमेश मीणा प्रधान बनेंगे। उपलब्ध परिणामों में प्रमुख विजेता: वल्लभनगर- पूनम मेनारिया (भाजपा), सुलाव- रणमल (भाजपा), मावली- पूरण कुंवर (भाजपा), खेरवाड़ा- अनिल डोडा (भाजपा), बड़गांव- अशोक शर्मा (भाजपा), कोटड़ा- नाथा (भाजपा), भींडर- राजकुमारी जैन (भाजपा), झाड़ोल- रेखा देवी (निर्दलीय), ओगणा- मधु देवी (कांग्रेस), सायरा- डॉ. मांगीलाल गरासिया (कांग्रेस), नयागांव- पन्नालाल परमार (कांग्रेस), देवला- इंद्रा देवी (भाजपा), ऋषभदेव- शारदा देवी (कांग्रेस) और घासा- ललित खटीक (कांग्रेस)।

दो दिन में सोना 5 हजार और चांदी 11 हजार रुपए उछली, फिर चमके कीमती धातुओं के भाव

24 न्यूज अपडेट

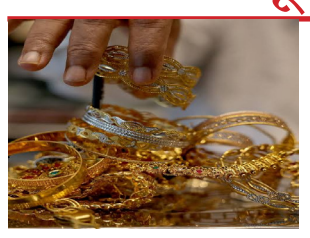

नई दिल्ली। लगातार दो दिनों से सोने-चांदी की कीमतों में तेजी का दौर जारी है। शुक्रवार को सोने के भाव में 3,658 रुपए प्रति 10 ग्राम का उछाल आया और 24 कैरेट सोना 1.26 लाख रुपए के पार पहुंच गया। चांदी भी एक ही दिन में करीब 7 हजार रुपए महंगी होकर 1.54 लाख रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, दो दिनों में सोना 5,261 रुपए और चांदी 11,355 रुपए महंगी हो चुकी है। शादी-ब्याह के सीजन में कीमतों में इस तेजी ने खरीदारों की चिंता बढ़ा दी है। बाजार में उछाल की प्रमुख वजह निचले स्तर पर हुई खरीदारी, शादी के सीजन में बढ़ती मांग और अंतरराष्ट्रीय बाजार के संकेत बताए जा रहे हैं। 25 नवंबर को सोना करीब 1.21 लाख और चांदी 1.43 लाख रुपए तक फिसल गई थी। इसके बाद निवेशकों की खरीदारी बढ़ने से दोनों धातुओं के भाव संभले हैं। हालांकि, मौजूदा तेजी के आगे भी बने रहने को लेकर अनिश्चितता है। अमेरिका में महंगाई के मजबूत आंकड़ों के बाद वहां ब्याज दरें बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। ब्याज दरों में बढ़ोतरी की स्थिति में सोने जैसी बिना ब्याज वाली संपत्तियों पर दबाव आ सकता है। ऐसे में बाजार में उतार-चढ़ाव बने रहने की संभावना है।

हाउसिंग बोर्ड के भीतर ही चल रहा था फर्जी पट्टों का खेल, 70 लाख के भूखंड की धोखाधड़ी में तीन संविदाकर्मी गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान आवासन मंडल में तैनात तीन संविदाकर्मी ही भूखंडों के फर्जी दस्तावेज तैयार कर कमीशन के बदले पट्टे बनवाने के आरोप में पुलिस के हत्थे चढ़ गए। जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने शुक्रवार को कम्प्यूटर ऑपरेटर, चपरासी और गार्ड को गिरफ्तार किया। मामला करीब 70 लाख रुपए कीमत के भूखंड से जुड़ा है। इस प्रकरण में पुलिस पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। डीसीपी ईस्ट रंजीता शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में प्रवीण उज्जैनिया (32) निवासी टैगोर नगर, करतारपुरा, अशोक कुमार बैरवा (43) निवासी जेडीए कॉलोनी, झालाना डूंगरी और विकास कुमार जाट (30) निवासी खेतड़ी बबाई, झुंझुनूं शामिल हैं। प्रवीण हाउसिंग बोर्ड में कम्प्यूटर ऑपरेटर, अशोक कुमार चपरासी और विकास गार्ड के पद पर संविदा पर कार्यरत थे। पुलिस के अनुसार, परिवादी नरेंद्र कुमार गुप्ता ने शिकायत में बताया कि राजस्थान आवासन मंडल ने उन्हें एक आवासीय भूखंड आवंटित किया था। उन्होंने भूखंड की नियमित और एकमुश्त राशि भी जमा करवा दी थी। आरोप है कि उनके फर्जी हस्ताक्षर और पुरानी फोटो का इस्तेमाल कर इकरारनामा, मुख्त्यारनामा और वसीयतनामा तैयार किए गए। इसके बाद कथित तौर पर झूठे गवाहों और मंडल कर्मचारियों की मिलीभगत से भूखंड का नियमितीकरण कराकर अपने नाम पट्टा और लीज डीड बनवा ली गई तथा उसका बेचान कर दिया गया। 13 मई 2026 को दर्ज इस मामले की जांच के दौरान पुलिस ने पहले गोपाल लाल मीणा और विक्रम सिंह को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में इन दोनों ने हाउसिंग बोर्ड में संविदा पर कार्यरत अशोक कुमार बैरवा, विकास कुमार और प्रवीण उज्जैनिया की भूमिका सामने आने की बात बताई। इसके बाद पुलिस ने तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की और गिरफ्तार कर लिया।

17 साल के भारतीय AI किड ने पुतिन के साथ ली सेल्फी, अपनी कंपनी में पिता को देते हैं 2 लाख वेतन

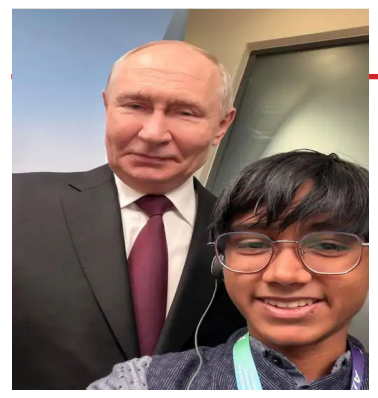

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। केरल के 17 वर्षीय राउल जॉन अजू रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के बाद चर्चा में हैं। मॉस्को में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'AI जर्नी 2026' में दोनों ने AI और बच्चों की पढ़ाई में इसके इस्तेमाल पर बातचीत की। राउल ने इसी साल 'AI रियल्म टेक्नोलॉजीज' नाम से स्टार्टअप शुरू किया है। उनकी कंपनी में 15 लोग काम करते हैं और वे अपने पिता को भी हर महीने 2 लाख रुपए वेतन देते हैं। कंपनी अब तक 15 AI टूल बना चुकी है और करीब 5 लाख लोगों को प्रशिक्षण दे चुकी है। राउल ने 9 साल की उम्र में AI सीखना शुरू किया था।

संपादकीय : शुल्क के सहारे

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर बातचीत अभी किसी ठोस निष्कर्ष तक लेकर चलना अभी मकर इस बीच अमेरिका के सकी मगर रुख में जितने उतार-चढ़ाव देखे गए हैं, उससे यही लगता है कि उसकी दिलचस्पी जितनी समझौते को अंतिम शक्ल देने में है, उससे ज्यादा वह अलग-अलग बहानों से मनमानी शर्तें थोपने की कोशिश कर रहा है। अन्यथा कोई कारण नहीं है कि दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता में परस्पर समान हितों और सम्मान के सवाल को दरकिनार करते हुए समझौते को अंतिम रूप देने में अड़चन लगाई जाए। यह छिपा नहीं है कि जब से भारत और अमेरिका में इस संदर्भ में बातचीत की शुरुआत हुई है, तब से कभी अतिरिक्त शुल्क लगा कर, तो कभी नई शर्तों की घोषणा कर अमेरिका समझौते को अपनी सुविधा का स्वरूप देना चाहता है। जाहिर है, यह भारत के लिए एक सहज स्वीकार्य स्थिति नहीं है। सवाल है कि क्या अमेरिका को यह ध्यान रखने की जरूरत नहीं महसूस होती कि अगर वह एक संप्रभु देश के साथ कोई समझौता करना चाहता है, तो उसे उसके समान हितों का भी खयाल रखना होगा ! गौरतलब है कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) ने भारत से आयातित वस्तुओं पर पच्चीस फीसद शुल्क लगाने का प्रस्ताव किया है। अमेरिका की इस घोषणा के दायरे में चीन, वियतनाम, जापान, बांग्लादेश, स्विट्जरलैंड और सिंगापुर और यूरोपीय संघ के सत्ताईस देशों के समूह भी हैं, जिन पर इसी तरह शुल्क लगाने की बात कही गई है। यूएसटीआर ने आरोप लगाया है कि भारत में औद्योगिक क्षमता जरूरत से ज्यादा बढ़ने से अमेरिकी कंपनियों को नुकसान पहुंच सकता है। हालांकि भारत ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा है कि हमारे किसी भी क्षेत्र में संरचनात्मक अतिरिक्त उत्पादन की क्षमता नहीं है। भारत की औद्योगिक विनिर्माण गतिविधियां घरेलू मांग और निर्यात जरूरतों के हिसाब से चल रही हैं। इसके अलावा, किसी भी क्षेत्र में जरूरत से ज्यादा उत्पादन नहीं किया जा रहा है। यह विचित्र है कि अमेरिका एक ओर व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने को लेकर अक्सर प्रतिबद्धता जताता रहता है, वहीं हर थोड़े दिनों में वह कोई ऐसी शर्त सामने रख देता है, जिसे ज्यों का त्यों मान लेना भारत के लिए संभव नहीं है। या फिर अमेरिका इस तरह के नुक्ते निकालने की कोशिश करता है, जिसका कोई आधार नहीं होता । सही है कि भारत के साथ व्यापार समझौता अंतिम रूप से हो जाने के बाद अमेरिका ने पच्चीस फीसद शुल्क को घटा कर सत्रह फीसद किए जाने का भी प्रस्ताव दिया है। लेकिन इस क्रम में हर शर्त अगर अमेरिका ही तय करेगा और उसी पर भारत से सहमत होने की उम्मीद करेगा, तो इस एकतरफा समझौते का हासिल भारत के लिहाज से क्या साबित होगा। विडंबना यह है कि पिछले कुछ वर्षों से अमेरिका ने दुनिया के अलग-अलग देशों पर मनमाने तरीके से शुल्क लगाने को अपने पक्ष में एक हथियार बना लिया है। यह एक तरह से दबाव की कूटनीति है, जिसमें वह व्यापार समझौते की शर्तों को अपने हित में मनमर्जी तरीके से निर्धारित करना चाहता है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि किसी भी समझौते में शामिल दो संप्रभु देशों या पक्षों के बीच अगर परस्पर और समान हित की शर्तों पर सहमति नहीं बनती, तो उसकी उम्र ज्यादा नहीं होगी। इसलिए अमेरिका को जितनी अपनी सुविधा और फायदे की चिंता है, उतनी ही फिक्र उसे भारत की भी करनी चाहिए ।

आतंक का जाल

जम्मू-कश्मीर के डीजीपी का यह खुलासा चौकाने से ज्यादा एक असुविधाजनक स्थिति पैदा करता है कि राज्य में रियासी के माहौर और चसाना इलाकों के तीस लोग 1991 से 2003 के बीच सीमा पार चले गए और पाकिस्तान में बैठकर हिजबुल के लिए हथियार, पैसा और कट्टरता का जाल बुन रहे हैं। पुलिस आज सब जानने का दावा कर सकती है, लेकिन आतंक के इस जाल का पता चलने में उसे दो-तीन दशक लग गए। प्राथमिकी 2024 में दर्ज हुई, कुर्की किस्तों में हो रही है। सवाल है, जब ये लापता हुए, तब सेना, पुलिस और खुफिया एजेंसियां कहां थीं? जमीन बेचकर आतंक का ढांचा खड़ा करने का खर्च जुटाने की कोशिश कैसे चलती रही? अतीत की चूक अलग-अलग सरकारों के खाते में जाएगी, पर ताजा जवाबदेही मौजूदा सत्ता की है, जिसने अनुच्छेद 370 हटाने और राज्य का दर्जा छीनने के समय आतंकवाद के खात्मे का वादा किया था। रक्षा मंत्री से लेकर सुरक्षा एजंसियों द्वारा सब सामान्य होने की घोषणाएं की जाती रही और हर घोषणा के कुछ ही दिन बाद हुए आतंकी हमले उसे झुठलाते रहे। पहलगाम के बाद उच्च सुरक्षा चेतावनी के बावजूद दस दिन में दो हमले हुए। नवंबर में किश्तवाड़ और कुलगाम दहले। उधर, जम्मू कश्मीर सरकार का कहना है कि अगर आतंकवाद कुचला जा चुका है, तो ये आतंकी कहां से आ रहे हैं! विडंबना यह कि कानून-व्यवस्था की जवाबदेही केंद्रीय गृह मंत्रालय की है। दावे किए जाते हैं कि स्थानीय भर्ती घटी है, जबकि डीजीपी खुद मानते हैं कि सीमा पार बैठे ये लोग स्थानीय युवाओं को कट्टरपंथ की ओर धकेल रहे हैं। दोनों दावे अगर समांतर हों, तो इसे कैसे देखा जाएगा? दूसरी ओर, खुफिया तंत्र की रीढ़ रहे कुछ स्थानीय समुदायों से बढ़ती अविश्वास की खाई चिंताजनक है। स्थानीय लोगों का साथ लेकर ही आतंकरोधी ढांचे को मजबूत किया जा सकता है। संपत्ति कुर्की (2025 में 155, इस साल 122) आतंक के जाल की विशालता बताती है। मगर यह कार्रवाई प्रतिक्रियात्मक है, समस्या के ठोस हल की नहीं। हिंसा में कमी उपलब्धि है, पर वह जवाबदेही से बचने की ढाल नहीं बन सकती। आंकड़ों और भाषणों से आगे बढ़कर खुफिया चूकों की स्वतंत्र समीक्षा करने और आंतरिक सुरक्षा पर संसद में श्वेत-पत्र रखने की जरूरत है।

हिम्मत सिंह झाला के जिला प्रमुख बनने पर माल की टूस चौराहे पर जश्न, आतिशबाजी कर बांटे लड्डू



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। हिम्मत सिंह झाला के उदयपुर जिला प्रमुख निर्वाचित होने पर माल की टूस चौराहे पर क्षेत्रवासियों और जनप्रतिनिधियों ने आतिशबाजी कर जश्न मनाया। इस दौरान ढोल-उत्साह और मिठाइयों के साथ खुशी का इजहार किया गया। कार्यकर्ताओं और समाजजनों ने एक-दूसरे का मुंह मीठा करवाकर झाला के उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

इस मौके पर नांदवेल सरपंच मोहन सिंह सारंगदेवोत (आसावरा), गुपड़ी सरपंच अमर सिंह सिसोदिया (हरियाव), पूर्व गुपड़ी सरपंच प्रतिनिधि गोपाल साहू (जसपुरा), पूर्व सरपंच सज्जन सिंह राणावत (गुपड़ा), टॉक सरपंच प्रकाशचंद्र गमेती, मालकीटूस सरपंच प्रतिनिधि मेघराज मीणा, पूर्व सरपंच भोलीराम नागदा और कैलाश गमेती मौजूद रहे।

इनके अलावा शिव सिंह इटवा, टॉक उपसरपंच सत्येंद्र सिंह झाला, ललित सिंह सिसोदिया, चुन्नीलाल नागदा, मगन सिंह, शंभू सिंह, महेंद्र सिंह, रुपनाथ चौहान, लक्ष्मण सिंह देवड़ा, मदन लाल नागदा, मान सिंह, भगवत सिंह, विक्रम सिंह, केसर सिंह, दिनेश वैष्णव, केशु लाल नागदा, शंभू लाल टेलर और सुरेंद्र सिंह सारंगदेवोत सहित क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

कार्यक्रम में विश्व हिंदू महासंघ भारत के मेवाड़ संभाग अध्यक्ष एवं राजपूत सर्वोदय सहयोग संस्थान मेवाड़ के टीम प्रमोटर कुंवर ओनार सिंह सिसोदिया भी उपस्थित रहे। सैकड़ों कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने झाला के जिला प्रमुख बनने पर प्रसन्नता जताते हुए उम्मीद व्यक्त की कि उनके कार्यकाल में जिले के विकास और जनहित के कार्यों को गति मिलेगी।

अम्बामाता में गूंजे जिनशासन के जयकारे: सत्तरभेदी पूजा और शुभ मुहूर्त में ध्वजारोहण के साथ श्री वासुपूज्य स्वामी मंदिर महोत्सव संपन्न



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। महावीर साधना एवं स्वाध्याय समिति, अम्बामाता के तत्वावधान में शुक्रवार, 27 नवंबर को श्री वासुपूज्य स्वामी मंदिर का वार्षिक ध्वजा महोत्सव पूरे हर्षोल्लास और धार्मिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। महोत्सव के अंतर्गत मुनिराज श्री सुमतिचंद्रसागरजी म.सा., मुनिराज श्री शीतलचंद्रसागरजी म.सा. एवं साध्वीवृंद प.पू.सा. श्री नयप्रज्ञाश्रीजी म.सा. की पावन निश्रा में प्रातः सत्तरभेदी पूजा, शुभ मुहूर्त में ध्वजारोहण तथा दोपहर में स्वामीवात्सल्य के भव्य आयोजन हुए। इस धर्ममयी अवसर पर समाजजन बड़ी संख्या में मौजूद रहे और सपरिवार धर्म लाभ लिया। महावीर साधना में इस भव्य आयोजन की सफलता हेतु ध्वजारोहण के लाभार्थी सुरेश कुमार जी धोका एवं परिवार (हिन्द इन्टर प्राइजेज) रहे। कार्यक्रम में सुनील कोठारी , सुरेंद्र हिम्मत भण्डारी, महेंद्र सहलोत, ललित भण्डारी, प्रमोद कोठारी (नाई), ध्यानचंद दलाल, राजेंद्र भुतालिया, मन मोहन सरनोत, राकेश चुन्नीलाल कोठारी, बाबू लाल नागौरी, बीएच बापना , चतर सिंह दलाल, फतेह सिंह मेहता, निर्मल पोखरणा, राजकुमार पामेचा, विजय दलाल, लोकेश कोठारी, गजेंद्र मेहता, नरेश सरनोत, विनोद दलाल, दिलीप सुराना, निर्मल करणपुरिया, कौशल कोठारी ,कुंदन मल कच्छारा, राजकुमार नलवाया, हितेश पोरवाल, विनोद हेमंत सरनोत एवं संजय तलेसरा आदि मौजूद रहे.

आगरा कैंट-असारवा साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन को मिला एक महीने का विस्तार, पांच-पांच फेरे और चलेंगी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ और सुविधा को देखते हुए रेलवे ने आगरा कैंट-असारवा-आगरा कैंट साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के संचालन की अवधि बढ़ा दी है। इस ट्रेन के दोनों दिशाओं में पांच-पांच अतिरिक्त फेरे संचालित किए जाएंगे। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार, गाड़ी संख्या 01910 आगरा कैंट-असारवा साप्ताहिक स्पेशल आगरा कैंट से 30 नवंबर से 28 दिसंबर 2026 तक चलेगी। वहीं, गाड़ी संख्या 01909 असारवा-आगरा कैंट स्पेशल असारवा से 1 दिसंबर से 29 दिसंबर तक संचालित होगी। ट्रेन में कुल 22 कोच होंगे। इनमें एक सेकंड एसी, पांच थर्ड एसी, तीन थर्ड एसी इकोनॉमी, सात स्लीपर, चार जनरल, एक गार्ड और एक पावरकार शामिल हैं। संचालन अवधि बढ़ने से आगरा कैंट, असारवा सहित मार्ग के विभिन्न स्टेशनों के यात्रियों को आवागमन के लिए अतिरिक्त रेल सुविधा मिलेगी।

आई.टी.आई. प्रतापनगर में अटल रोजगार शिविर सोमवार को, 300 पदों पर होगी भर्ती, युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 27 नवंबर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं को भर्ती एवं रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध करवाने हेतु प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में सोमवार, 30 नवंबर को प्रतापनगर स्थित आई.टी.आई. कार्यालय परिसर में एक दिवसीय अटल रोजगार कैंपस शिविर का आयोजन किया जाएगा।

संभागीय रोजगार कार्यालय के उप निदेशक मुकेश गुर्जर ने बताया कि अटल रोजगार शिविर सोमवार सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक आयोजित होगा। इसमें 8 निजी कंपनियां हिस्सा लेंगी, जिनके माध्यम से करीब 300 आशार्थियों का मौके पर ही प्रारंभिक चयन किया जाएगा। इस शिविर में महिंद्रा नेक्स्ट वेल्थ प्रा.लि., जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर, अंबुजा फाउंडेशन जिंक कौशल केंद्र, टी.यू.वी. रीनलैंड (मादड़ी), लेकसिटी ई.वी. प्रा.लि., क्रेडिट एक्सेस ग्रामीण प्रा.लि., ओमेगा एलिवेटर्स (जयपुर) और एंड्रॉयड जॉब्स इंटरनेशनल जैसी कंपनियां शामिल होंगी।

उन्होंने बताया कि इन कंपनियों द्वारा ट्रेनी एग्जीक्यूटिव, सोलर इलेक्ट्रीशियन व इंस्टॉलर, वायरमैन, अकाउंटेंट, बैंकिंग, सी.आर.एम., सेल्स मैनेजर, लैब असिस्टेंट, सुपरवाइजर, क्रेडिट व फील्ड ऑफिसर, सेफ्टी ऑफिसर, मैकेनिक और सर्विस एडवाइजर आदि पदों पर भर्ती की जाएगी।

योग्यता व दस्तावेज

शिविर में सभी वर्गों के 8वीं, 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर (केमिस्ट्री), आई.टी.आई. और डिप्लोमा उत्तीर्ण अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। इच्छुक युवाओं को अपने साथ पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र एवं समस्त शैक्षणिक योग्यता के दस्तावेज लेकर उपस्थित होना होगा।

1 दिसंबर से सजेगा कुंभलगढ़ महोत्सव, तीन दिन गूंजेंगे लोकगीत और थिरकेंगे लोक कलाकार



24 न्यूज अपडेट

राजसमंद। कुंभलगढ़ की ऐतिहासिक धरती एक बार फिर राजस्थान की लोक संस्कृति, संगीत और पारंपरिक कलाओं के रंगों से सराबोर होगी। राजस्थान पर्यटन और जिला प्रशासन राजसमंद की ओर से 1 से 3 दिसंबर तक कुंभलगढ़ महोत्सव-2026 आयोजित किया जाएगा। तीन दिवसीय आयोजन में प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और लोक परंपराओं की झलक देखने को मिलेगी। महोत्सव को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। महोत्सव के तहत प्रतिदिन सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इनमें राजस्थानी लोकनृत्य और लोकसंगीत की प्रस्तुतियां मुख्य आकर्षण रहेंगी। प्रदेश के लोक कलाकार अपनी कला के जरिए राजस्थान की परंपराओं, रंगों और सांस्कृतिक विविधता को मंच पर जीवंत करेंगे। आयोजन में पारंपरिक पगड़ी बांधने की प्रतियोगिता भी होगी, जिसमें राजस्थान की पगड़ी परंपरा और उससे जुड़ी कला देखने को मिलेगी। तीन दिनों तक चलने वाला यह महोत्सव कुंभलगढ़ आने वाले पर्यटकों को राजस्थान की लोक संस्कृति से रूबरू कराने का अवसर देगा।

संविधान की सफलता उसे लागू करने वालों की नीयत और चरित्र पर निर्भर



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग की ओर से संविधान दिवस पर 'भारतीय संविधान : भारतीय गणतंत्र की आधारशिला' विषय पर पैनल डिस्कशन आयोजित किया गया। परिचर्चा में विशेषज्ञों ने संवैधानिक मूल्यों, नागरिक कर्तव्यों, लोकतांत्रिक संस्थाओं और भारतीय प्राचीन ज्ञान परंपरा के संविधान से जुड़े पहलुओं पर विचार रखे। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों और युवाओं को संविधान की मूल भावना, उसके निर्माण की यात्रा और लोकतंत्र में उनकी भूमिका से परिचित कराना था। लोक प्रशासन विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम आयोजक डॉ. गिरिराज सिंह चौहान ने स्वागत उद्बोधन में संविधान दिवस की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और महत्ता बताई। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान कोई स्थिर या जड़ दस्तावेज नहीं, बल्कि समय के साथ विकसित होने वाला जीवंत दस्तावेज है। इसके निर्माण में संविधान सभा के सदस्यों के परिश्रम के साथ आम नागरिकों की आकांक्षाओं और संघर्षों की भी अहम भूमिका रही है। पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. कुंजन आचार्य ने नागरिक अधिकारों के साथ कर्तव्यों के संतुलन को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि नागरिक अक्सर अपने मौलिक अधिकारों को लेकर सजग रहते हैं, लेकिन संवैधानिक कर्तव्यों को भूल जाते हैं। सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए दोनों के प्रति समान रूप से जागरूक होना आवश्यक है। संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. जी.एल. पाटीदार ने संविधान के सांस्कृतिक और दार्शनिक आधार पर बात रखी। उन्होंने कहा कि वेद, उपनिषद और नीतिशास्त्र जैसी प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपराओं में न्याय, समानता, लोककल्याण और वसुधैव कुटुम्बकम जैसे आदर्श मौजूद रहे हैं, जिनकी झलक संविधान में भी दिखाई देती है। राजनीति विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. विजया दीक्षित ने कहा कि संविधान नागरिकों को जिम्मेदार होने का बोध कराने के साथ विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका जैसी संस्थाओं में विश्वास भी मजबूत करता है। वहीं, इसी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सतीश अग्रवाल ने कहा कि किसी संविधान की सफलता या विफलता उसके प्रावधानों से अधिक उसे लागू करने और संचालित करने वाले लोगों के चरित्र एवं नीयत पर निर्भर करती है। रिचर्चा के समापन पर वक्ताओं ने युवाओं से संवैधानिक आदर्शों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. मोहित नायक, डॉ. कार्तिक गड़िया, डॉ. रेखा माली सहित संकाय सदस्य, शोधार्थी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

ब्राह्मण बड़ा नागदा समाज कल्याण संस्थान की प्रतिनिधि सभा का अधिवेशन 29 को

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर/ राजसमन्द 27 अक्टूबर। ब्राह्मण बड़ा नागदा समाज कल्याण संस्थान की प्रतिनिधि सभा का अधिवेशन 29 नवम्बर, रविवार को प्रातः 9.30 बजे से मुख्यालय के समीप सीसारमा स्थित ठाड़ा कृषि फार्म पर आयोजित होगा। संस्थान के महामंत्री डॉ. नारायण लाल जोशी ने बताया कि संस्थान के अध्यक्ष डॉ. भगवती प्रकाश शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रतिनिधि सभा के अधिवेशन में समाज के प्रत्येक गांव के प्रतिनिधि भाग लेंगे। अधिवेशन में सदस्यता हेतु संशोधन प्रस्ताव, संस्थान की प्रगति पथ स्मारिका का विमोचन, नगर निगम एवं पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव में समाज के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का सम्मान, वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंकेक्षित विवरणों की प्रस्तुति, संस्थान के पदाधिकारियों के निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा आदि पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। इस अवसर पर विशेष आमंत्रित अतिथियों का सम्मान भी किया जाएगा। जिसके तहत श्री धर्मनारायण जोशी को विप्र फाउंडेशन के ऐतिहासिक संकल्प श्री परशुराम मूर्ति स्थापना समिति के चेयरमैन मनोनित होने तथा गत दिनों सम्पन्न हुए नगर निकाय चुनाव में श्री दिनेश भट्ट के नगर निगम में उप महापौर पद पर निर्वाचित होने पर सम्मानित किया जाएगा।

नौकरी का झांसा देकर बुलाए विदेशी युवक, बंधक बना पासपोर्ट जब्त किए, नोएडा में साइबर ठगी के नेटवर्क का भंडाफोड़ ऑपरेटर



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। नोएडा में साइबर ठगी का एक ऐसा अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क सामने आया है, जिसमें ठगी करने वालों और ठगी का शिकार होने वालों के बीच का फर्क ही मिटा दिया गया था। बेहतर नौकरी और मोटी सैलरी का सपना दिखाकर विदेशियों को भारत बुलाया गया। यहां पहुंचते ही उनके पासपोर्ट छीन लिए गए और उन्हें ऐसे कॉल सेंटर में बैठा दिया गया, जहां से वे अपने ही देशों के लोगों को ऑनलाइन निवेश के नाम पर ठगने के लिए मजबूर थे। यानी जिन लोगों को रोजगार देने का वादा किया गया था, उन्हें ही साइबर अपराध के कारोबार का हिस्सा बना दिया गया। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गुरुवार को नोएडा के सेक्टर-136 स्थित एक परिसर में छापा मारकर इस पूरे नेटवर्क का खुलासा किया। कार्रवाई में 164 विदेशी नागरिकों को मुक्त कराया गया। इनमें इंडोनेशिया के 92 और मलेशिया के 72 नागरिक शामिल हैं। पुलिस ने मौके से 355 मोबाइल फोन, 175 से अधिक डेस्कटॉप और लैपटॉप, कई सिम कार्ड तथा करीब 175 पासपोर्ट जब्त किए हैं। इस कार्रवाई ने एक साथ दो गंभीर अपराधों की परतें खोली हैं। पहला, नौकरी के बहाने विदेशियों को भारत लाकर कथित तौर पर बंधक बनाना और दूसरा, उन्हीं से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साइबर ठगी कराना।

शिकायत मलेशिया से आई, सुराग नोएडा तक पहुंचा

इस नेटवर्क का खुलासा एक मलेशियाई नागरिक की ई-मेल शिकायत से हुआ। दिल्ली पुलिस के ज्वाइंट सीपी (क्राइम) के अनुसार, करीब एक सप्ताह पहले पुलिस को साइबर फ्रॉड की शिकायत मिली थी। जांच आगे बढ़ी तो नोएडा के सेक्टर-136 में संचालित कॉल सेंटर तक पुलिस पहुंची। इसके बाद क्राइम ब्रांच ने छापा मारकर वहां चल रही गतिविधियों का पर्दाफाश किया। पुलिस के मुताबिक, विदेशी नागरिकों को बिजनेस वीजा पर भारत बुलाया गया था। उन्हें अच्छी तनख्वाह और बेहतर करियर का भरोसा दिया गया, लेकिन यहां आने के बाद उनकी स्वतंत्रता छीन ली गई। पासपोर्ट अपने कब्जे में लेकर उन्हें तय ठिकानों पर रखा जाता था। अकेले बाहर जाने की अनुमति नहीं थी और उनकी आवाजाही पर निगरानी रखी जाती थी।

40 कैब से निगरानी, इनकार पर मारपीट का आरोप

विदेशी नागरिकों को पेइंग गेस्ट आवासों में ठहराया गया था। वहां से कॉल सेंटर तक लाने और वापस पहुंचाने के लिए करीब 40 कैब लगाई गई थीं। पुलिस के अनुसार, यह व्यवस्था केवल परिवहन के लिए नहीं, बल्कि उनके आवागमन पर नियंत्रण रखने के लिए भी इस्तेमाल की जा रही थी। आरोप है कि कॉल सेंटर में साइबर ठगी का काम करने से मना करने वालों के साथ मारपीट की जाती थी। उन्हें खराब भोजन दिया जाता था और अपनी मर्जी से कहीं आने-जाने की आजादी भी नहीं थी। इस तरह रोजगार के नाम पर भारत लाए गए लोगों को कथित तौर पर एक संगठित साइबर अपराध नेटवर्क में काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा था।

फर्जी पहचान से दोस्ती, फिर निवेश के नाम पर जाल

जांच में ठगी का तरीका भी सामने आया है। पुलिस के अनुसार, विदेशी नागरिकों को बाकायदा ट्रेनिंग दी गई थी। उन्हें बातचीत की स्क्रिप्ट उपलब्ध कराई जाती थी। ऑपरेटर फर्जी महिला पहचान और सोशल मीडिया प्रोफाइल बनाकर इंडोनेशिया और मलेशिया के लोगों से संपर्क करते थे। शुरुआत सामान्य बातचीत और दोस्ती से होती थी। धीरे-धीरे भरोसा कायम करने के बाद सामने वाले को निवेश के लिए तैयार किया जाता था। इसके लिए फर्जी ट्रेडिंग और निवेश प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस की जांच में जेंटट्रिक्स और क्वांटवोरो नाम के प्लेटफॉर्म तथा एपीके आधारित ऐप के इस्तेमाल की जानकारी सामने आई है। इस नेटवर्क की कार्यप्रणाली का अहम पहलू यह था कि ठगी के लिए उन्हीं देशों के नागरिकों को इस्तेमाल किया जा रहा था, जहां के लोगों को निशाना बनाया जाता था। भाषा, बातचीत के तौर-तरीकों और स्थानीय सामाजिक व्यवहार की जानकारी होने से जाल में फंसाने की रणनीति को अंजाम देना आसान हो जाता था।

भारतीय हैंडलर फरार, मलेशियाई नागरिक गिरफ्तार

पुलिस ने मौके से मलेशिया के 25 वर्षीय तन गुआन वेई को गिरफ्तार किया है। जांच में भारतीय हैंडलर के रूप में सुनील कुमार और सुशील कुमार के नाम सामने आए हैं। दोनों फिलहाल फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है और नेटवर्क में उनकी भूमिका की पड़ताल की जा रही है। जांच एजेंसियां यह भी पता लगा रही हैं कि विदेशी नागरिकों को भारत बुलाने वाली कंपनी कौन थी, भर्ती के लिए किन एजेंटों का इस्तेमाल किया गया और बिजनेस वीजा पर आए इन लोगों से किस तरह का काम कराया जा रहा था।

पीजी संचालक पर भी कार्रवाई, बिना सत्यापन ठहराए गए थे विदेशी

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि विदेशी नागरिकों को सेक्टर-136 के एक पीजी में कथित तौर पर बिना पुलिस सत्यापन के ठहराया गया था। इस मामले में पीजी संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पीजी को सील करने की कार्रवाई भी की जा रही है।

175 पासपोर्ट बरामद होना जांच का अहम सिरा

इस पूरे मामले में करीब 175 पासपोर्ट की बरामदगी जांच का एक महत्वपूर्ण पहलू है। मुक्त कराए गए लोगों की संख्या 164 है, जबकि जब्त पासपोर्ट की संख्या इससे अधिक बताई गई है। ऐसे में पुलिस के सामने यह पता लगाने की चुनौती भी है कि बाकी पासपोर्ट किन लोगों के हैं और क्या इस नेटवर्क के जरिए पहले भी विदेशी नागरिकों को भारत लाया गया था।

फिलहाल पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है। साथ ही फरार भारतीय हैंडलरों, भर्ती एजेंटों, कंपनी के संचालकों और निवेश प्लेटफॉर्म के पीछे सक्रिय लोगों की भूमिका खंगाली जा रही है।

भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य के खिलाफ FIR, सेशन जज को मकान बेचकर इलाका छोड़ने की धमकी देने का आरोप



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। हवामहल से भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य कानूनी विवाद में घिर गए हैं। जयपुर के गलतागेट थाने में उनके खिलाफ कोर्ट के आदेश पर एफआईआर दर्ज की गई है। विधायक पर एक न्यायिक अधिकारी को मकान बेचकर इलाके से चले जाने का दबाव बनाने, अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने और धमकी देने का आरोप है। शिकायतकर्ता का दावा है कि विधायक ने समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचकर घटना का वीडियो भी बनवाया और उसे सोशल मीडिया पर साझा किया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, ईदगाह स्थित वन विहार कॉलोनी निवासी मोहम्मद याकूब खान ने यह शिकायत दी है। याकूब राजस्थान हाईकोर्ट में अधिवक्ता हैं। उन्होंने बताया कि उनके ताऊजी के बेटे मोहम्मद आरिफ सेशन जज कैडर के न्यायिक अधिकारी हैं और वर्तमान में जयपुर से बाहर पदस्थापित हैं। शिकायत के मुताबिक, मोहम्मद आरिफ ने 31 जुलाई 2025 को जयपुर के बास बदनपुरा स्थित मीणा कॉलोनी में मकान खरीदा था। आरोप है कि 10 दिसंबर 2025 को सुबह करीब 11:30 बजे विधायक बालमुकुंद आचार्य अपने समर्थकों के साथ मकान के बाहर पहुंचे। वहां उन्होंने कथित तौर पर अभद्र और धमकी भरी भाषा का इस्तेमाल करते हुए मकान बेचकर क्षेत्र छोड़ने का दबाव बनाया।

वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डालने का आरोप

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विधायक ने मौके पर मौजूद लोगों से कहा कि उनकी बात नहीं मानने पर चौराहे पर पीटा जाएगा। इस दौरान मकान की दीवार पर लिखे नाम की ओर बार-बार कैमरा करने और वीडियो रिकॉर्ड करने का भी आरोप है। शिकायतकर्ता के अनुसार, यह वीडियो विधायक की ओर से सोशल मीडिया पर साझा किया गया था, हालांकि बाद में उसे हटा लिया गया। इसकी क्लिप अब भी सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही है।

दो बार चोरी होने और पुलिस कार्रवाई पर भी सवाल

शिकायतकर्ता ने मकान में दो बार चोरी होने का मामला भी उठाया है। उनका आरोप है कि दोनों घटनाओं की शिकायत गलतागेट थाने में दी गई, लेकिन एफआईआर दर्ज करने में करीब एक-एक महीने का समय लगा। दोनों मामलों की जांच लंबित होने की बात भी शिकायत में कही गई है। याकूब खान ने आशंका जताई है कि मकान खरीदने के बाद से उनके रिश्तेदार को निशाना बनाया जा रहा है और परिवार की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। शिकायत में चोरी की घटनाओं के पीछे साजिश की आशंका भी जताई गई है। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल गलतागेट थाना पुलिस ने अदालत के आदेश पर विधायक बालमुकुंद आचार्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले की पड़ताल शुरू की है।

नैनवां प्रधान चुनाव में विधायक अशोक चांदना पर FIR, बैरिकेड्स हटाकर गाड़ी पंचायत समिति में ले जाने की कोशिश का आरोप



24 न्यूज अपडेट

बूंदी। नैनवां पंचायत समिति में प्रधान चुनाव के दौरान हुए विवाद ने अब कानूनी रूप ले लिया है। हिंडोली-नैनवां से कांग्रेस विधायक अशोक चांदना और उनके साथ मौजूद लोगों के खिलाफ राजकार्य में बाधा, पुलिसकर्मियों से अभद्रता और एससी-एसटी एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि विधायक और उनके समर्थकों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को डराया-धमकाया, धक्का-मुक्की की और बैरिकेड्स हटाकर गाड़ी पंचायत समिति परिसर में ले जाने का प्रयास किया। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बूंदी एसपी अवनीश कुमार शर्मा ने बताया कि प्रधान चुनाव के मद्देनजर नैनवां पंचायत समिति के सामने चुंगी नाका और देई रोड की ओर बैरिकेड्स लगाकर पुलिस जाब्ता तैनात किया गया था। करवर थाना प्रभारी सहदेव सिंह पुलिसकर्मियों के साथ यहां ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान विधायक अशोक चांदना अपनी टीम के साथ वहां पहुंचे। पुलिस के अनुसार, बैरिकेड्स पर तैनात जवान आने-जाने वाले वाहनों को रोक रहे थे। आरोप है कि विधायक और उनके साथ आए लोगों ने पुलिसकर्मियों के साथ अभद्रता की और उन्हें डराया-धमकाया। इसके बाद बैरिकेड्स को जबरन ऊंचा कर गाड़ी पंचायत समिति परिसर में ले जाने की कोशिश की गई। पुलिस जाब्ते ने उन्हें रोक दिया।

विधायक समेत नामजद लोगों के खिलाफ मामला

पुलिस ने इस मामले में विधायक अशोक चांदना के साथ हंसराज गुर्जर निवासी बोरदा, सद्दाम हुसैन निवासी नैनवां, तुलसीराम सांगोदा निवासी देई, आशुतोष नागर निवासी नैनवां, साहिद खान निवासी नैनवां और बलराम उर्फ बाबा गुर्जर निवासी नैनवां को नामजद किया है। इनके अलावा 5-6 अन्य लोगों के शामिल होने का भी आरोप है। इस संबंध में नैनवां थाने में प्रकरण संख्या 371/ 2026 के तहत बीएनएस की धारा 121(1), 132, 189(2) और एससी-एसटी एक्ट की धारा 3(2)(VA) में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, मामले का अनुसंधान जयपुर पुलिस मुख्यालय की सीआईडी-सीबी करेगी। फिलहाल एफआईआर में लगाए गए आरोपों की जांच की जाएगी।

एसआई भर्ती पेपर लीक में दो साल से फरार 10 हजार का इनामी गिरफ्तार, खुद भी लीक पेपर से दी थी परीक्षा



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में एसओजी ने दो साल से फरार चल रहे 10 हजार रुपए के इनामी आरोपी अतुल विश्नोई उर्फ श्रीराम विश्नोई को गिरफ्तार किया है। जालोर के भीनमाल थाना क्षेत्र के श्रीराम दांतीवास गांव निवासी 28 वर्षीय अतुल पेपर लीक गिरोह के सरगना जगदीश विश्नोई और ओमप्रकाश ढाका गैंग से जुड़ा था। जांच में सामने आया कि उसने लीक प्रश्नपत्र दो अभ्यर्थियों को कुल 35 लाख रुपए में उपलब्ध करवाया था। दिलचस्प बात यह है कि आरोपी ने खुद भी इसी लीक पेपर के आधार पर परीक्षा दी थी। एसओजी के एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि जांच में अतुल की भूमिका पेपर लीक कर अभ्यर्थियों तक पहुंचाने में सामने आई। उसने जोधपुर के दिनेश विश्नोई को 15 लाख रुपए और सुभाष विश्नोई को 20 लाख रुपए में प्रश्नपत्र उपलब्ध करवाया था। जगदीश विश्नोई के हैंडलर के माध्यम से दोनों अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा से पहले पेपर मिला था। इसके आधार पर दोनों का सब-इंस्पेक्टर पद पर अवैध रूप से अंतिम चयन हुआ।

खुद परीक्षा में भी हासिल किए थे अच्छे अंक

जांच में यह भी सामने आया कि अतुल विश्नोई ने 14 सितंबर 2021 को लीक प्रश्नपत्र पढ़कर परीक्षा दी थी। हिंदी विषय में उसे 200 में से 160.98 और सामान्य ज्ञान में 200 में से 160.65 अंक मिले थे। हालांकि, शारीरिक दक्षता परीक्षा में असफल रहने के कारण वह सब-इंस्पेक्टर पद पर चयनित नहीं हो सका।

दहेज के लिए प्रताड़ित करने और जेवर नहीं लौटाने की शिकायत

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। डबोक थाना क्षेत्र में आसना निवासी लक्ष्मी डांगी ने पति जीतमल डांगी सहित परिवार के पांच अन्य सदस्यों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना की शिकायत दी है। रिपोर्ट में जीतमल डांगी, सरजूबाई, अन्नूबाई, बीमाबाई, जगदीश और नरेश पर दहेज के लिए परेशान करने तथा शादी के जेवर नहीं लौटाने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने धारा 85 और 316(2) बीएनएस में मामला दर्ज किया है। अनुसंधान एसआई उदयलाल कर रहे हैं। उधर, भीण्डर थाना क्षेत्र में अन्नू रावत ने पति पप्पू रावत सहित पांच लोगों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना, मारपीट और मानसिक-शारीरिक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया है। परिवाद के अनुसार घटना 30 अप्रैल 2021 की है। आरोपियों में पप्पू रावत, लक्ष्मण रावत, रामीबाई, रविनाबाई और वाला रावत के नाम शामिल हैं। पुलिस ने न्यायालय के इस्तगासे पर 26 नवंबर को धारा 85, 82(2), 115(2) और 316(2) बीएनएस में मामला दर्ज किया है। जांच एसआई हरिराम कर रहे हैं।

मैक्स वाहन की टक्कर से एक की मौत, दूसरा घायल

उदयपुर। गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र के बारापाल में तेज रफ्तार मैक्स वाहन की टक्कर से बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हो गया। पुलिस के अनुसार हादसा 26 नवंबर की सुबह करीब 3 बजे हुआ। मैक्स वाहन RJ-27-TB-1901 के चालक पर तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाकर बाइक को टक्कर मारने का आरोप है। मामले में अमरपुरा टीडी निवासी 56 वर्षीय बाबूलाल मीणा की रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस ने धारा 281, 125(1) और 106(1) बीएनएस में मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। अनुसंधान एएसआई रमेश कुमार कर रहे हैं।

कार की टक्कर से बुजुर्ग गंभीर घायल

उदयपुर। सविना थाना क्षेत्र में नैला तालाब रोड पर कार की टक्कर से एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना 19 नवंबर की रात करीब 1:19 बजे की बताई गई है। हिरणमगरी थाना क्षेत्र के रेती स्टैंड, आवरीमाता मंदिर के सामने रहने वाले सुभाष माली ने रिपोर्ट दी कि कार GJ-01-WU-2636 के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनके पिता सोहनलाल माली को टक्कर मार दी। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने 26 नवंबर को धारा 281 और 125(ए) बीएनएस में मामला दर्ज किया। जांच एएसआई भीमराज कर रहे हैं।

होटल के कमरे से सोने-चांदी के जेवर और नकदी चोरी

उदयपुर। गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र स्थित अमरगढ़ होटल में चोर कमरे में घुसकर सोने-चांदी के जेवर और नकदी ले गए। न्यू शिवनगर, माली कॉलोनी रोड निवासी 44 वर्षीय मनीष जारोली ने रिपोर्ट दी कि 21 नवंबर को शाम 7 से 8 बजे के बीच अज्ञात व्यक्ति ने उनके होटल के कमरे में प्रवेश कर सामान चुरा लिया। पुलिस ने 26 नवंबर को धारा 305(ए) बीएनएस में प्रकरण दर्ज किया है। मामले की जांच हेड कांस्टेबल रामकुंवर कर रहे हैं।

घर में घुसकर नकदी चुराई, स्कूल का ताला तोड़ सामान ले गए

उदयपुर। खेरवाड़ा थाना क्षेत्र की शास्त्री कॉलोनी में गोदाम के पीछे स्थित मकान में रात के समय घुसे चोर नकदी चुरा ले गए। बीजा निवासी मुकेश आहारी ने पुलिस को बताया कि 16 नवंबर की रात 2 से 3 बजे के बीच अज्ञात बदमाश घर में घुसे और रुपए लेकर फरार हो गए। पुलिस ने धारा 331(4) और 305(ए) बीएनएस में मामला दर्ज किया है। जांच हेड कांस्टेबल सुशीला कर रही हैं। इधर, प्रतापनगर थाना क्षेत्र के कानपुर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में भी चोरी का मामला सामने आया है। रिपोर्ट के अनुसार अज्ञात चोरों ने रात में स्कूल का ताला तोड़कर सामान और नकदी चुरा ली। सुखेर थाना क्षेत्र की निवासी 57 वर्षीय मालती जैन की रिपोर्ट पर पुलिस ने धारा 303(2) और 305(ए) बीएनएस में प्रकरण दर्ज किया है।

खाते से 1.05 लाख रुपए निकाले, युवक पर धोखाधड़ी का आरोप

उदयपुर। प्रतापनगर थाना क्षेत्र की यूआईटी कॉलोनी में पुराने आरटीओ कार्यालय के पास रहने वाली 33 वर्षीय संगीता राव ने धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई है। रिपोर्ट के अनुसार अमित सिंह रावत ने कथित रूप से षड्यंत्रपूर्वक उनके साथ फ्रॉड किया और बैंक खाते से 1 लाख 5 हजार रुपए निकाल लिए। पुलिस ने 26 नवंबर को धारा 318(4) बीएनएस में मामला दर्ज किया है। जांच एएसआई किशन सिंह को सौंपी गई है।

आंगन में खेल रही 2 साल की बच्ची पर झपटा लेपर्ड, मौत; छत से लगाई छलांग, परिजनों के पहुंचते ही जंगल की ओर भागा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर के ग्रामीण इलाके में लेपर्ड के हमले ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। घर के आंगन में खेल रही दो साल की मासूम पर तेंदुए ने अचानक हमला कर दिया। वह छत से सीधे बच्ची पर झपटा। बच्ची की चीख सुनकर मां और परिजन बाहर दौड़े तो लेपर्ड वहां से भाग निकला। परिवार के लोग खून से लथपथ बच्ची को लेकर अस्पताल पहुंचे, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। घटना गुरुवार शाम करीब 7:30 बजे उदयपुर शहर से लगभग 25 किलोमीटर दूर गिर्वा पंचायत समिति की लकड़वास ग्राम पंचायत के धामधर गांव में हुई। पहाड़ी के पास बसी इस बस्ती में सुरेश मीणा का मकान पहाड़ी से सटा हुआ है। उनकी दो साल की बेटी नीलम उर्फ नगीना घर के अहाते में खेल रही थी। इसी दौरान छत से छलांग लगाकर आए लेपर्ड ने उस पर हमला कर दिया।

मां रसोई में बना रही थी खाना, बच्ची आंगन में थी

बच्ची के चाचा रमेश मीणा के अनुसार,

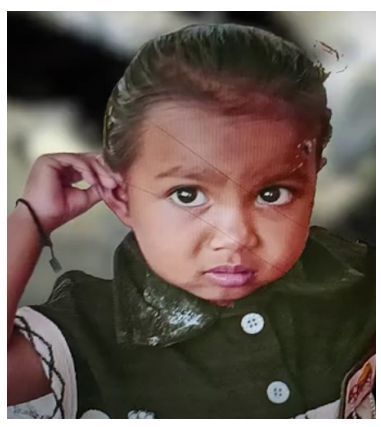

नीलम की मां घर के अंदर खाना बना रही थी। बच्ची बाहर आंगन में खेल रही थी। अचानक उसकी रोने की आवाज सुनाई दी तो मां और परिवार के दूसरे सदस्य दौड़कर बाहर पहुंचे। वहां नीलम लहूलुहान हालत में पड़ी थी। परिजन उसे तुरंत एमबी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

मकान के आसपास लगाए पिंजरे और ट्रैप कैमरे

घटना की सूचना मिलने पर वन विभाग और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। गिर्वा तहसीलदार गणेश कुमार विजयवर्गीय और सहायक वन संरक्षक राजेंद्र सिंह ने घटनास्थल का जायजा लिया। सहायक वन संरक्षक ने बताया कि गांव के पास झामरकोटड़ा का पहाड़ी क्षेत्र और जंगल है। लेपर्ड की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए मकान के आसपास दो पिंजरे और पांच ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं।

आधी रात को फिर दिखा लेपर्ड का मूवमेंट

ग्रामीणों के मुताबिक, गुरुवार रात करीब 12 बजे भी लेपर्ड की हलचल देखी गई। कुछ देर बाद वह झाड़ियों से होकर पहाड़ी की तरफ चला गया। वन विभाग की टीम पिंजरों और कैमरों के जरिए लगातार निगरानी कर रही है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल रहा। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचे वन विभाग और प्रशासन के अधिकारियों के सामने नाराजगी जताते हुए लेपर्ड को जल्द पकड़ने की मांग की। नीलम के पिता सुरेश मीणा झामरकोटड़ा की एक फैक्ट्री में हेल्पर हैं। परिवार में सात साल का एक बेटा भी है। जिस घर में कुछ समय पहले तक बच्चों की हंसी गूंजती थी, वहां अब मासूम की मौत के बाद मातम पसरा है।

भीण्डर में राजकुमारी जैन के प्रधान बनने पर अमरपुरा खालसा में जश्न, पति अशोक जैन का किया स्वागत

24 न्यूज अपडेट



खेरोदा, 27 नवंबर। भीण्डर पंचायत समिति में भाजपा प्रत्याशी राजकुमारी जैन के प्रधान निर्वाचित होने पर अमरपुरा खालसा गांव में खुशी का माहौल रहा। जीत की खबर मिलते ही ग्रामीणों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। इस दौरान नवनिर्वाचित प्रधान राजकुमारी जैन के पति अशोक जैन का फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत और अभिनंदन किया गया। कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जताई। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि राजकुमारी जैन के नेतृत्व में भीण्डर पंचायत समिति और आसपास के गांवों में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी।

विद्यार्थियों को सिखाया मन को समझने और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने का तरीका, सुखाड़िया विवि में 'अंडरस्टैंड योर माइंड' कार्यशाला



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पढ़ाई का दबाव, करियर की अनिश्चितता और निजी जीवन की चुनौतियों के बीच मानसिक स्वास्थ्य को समझना विद्यार्थियों के लिए जरूरी है। इसी उद्देश्य से मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंधन अध्ययन महाविद्यालय (यूसीसीएमएस) में 'अंडरस्टैंड योर माइंड' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन, भावनात्मक संतुलन और मनोवैज्ञानिक परामर्श की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी गई। विश्वविद्यालय और स्नोफ्लेक्स कंपनी के बीच हुए समझौता ज्ञापन के तहत आयोजित कार्यशाला में महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं वाणिज्य संकाय अध्यक्ष प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत ने कहा कि आत्मिक शांति के लिए जैन दर्शन का भेद-विज्ञान उपयोगी दृष्टि प्रदान करता है। इन्द्रिय, मन, विचार और चेतना के अलग-अलग स्वरूप तथा उनके आपसी संबंधों को समझना मानसिक संतुलन की दिशा में महत्वपूर्ण है। इन स्तरों के बीच असंतुलन मानसिक स्वास्थ्य में गिरावट का कारण बन सकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अकादमिक उपलब्धियां हासिल करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों का मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास भी है। मुख्य वक्ता स्नोफ्लेक्स काउंसलिंग की संस्थापक एवं मनोवैज्ञानिक महिमा पालीवाल ने मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने तनाव से निपटने, सकारात्मक सोच विकसित करने और जरूरत पड़ने पर मनोवैज्ञानिक सहायता लेने के व्यावहारिक तरीके बताए। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर खुलकर बात करना कमजोरी नहीं, बल्कि जागरूकता और आत्मविश्वास का संकेत है। प्रतिस्पर्धा के दौर में विद्यार्थियों के सामने आने वाली मानसिक और भावनात्मक चुनौतियों पर भी उन्होंने विस्तार से बात की। महाविद्यालय की सह-अधिष्ठाता डॉ. शिल्पा वर्डिया ने कहा कि शैक्षणिक दबाव, करियर को लेकर अनिश्चितता और व्यक्तिगत चुनौतियां विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती हैं। ऐसी कार्यशालाएं उन्हें अपनी समस्याओं को समझने और सकारात्मक समाधान तलाशने में मददगार होती हैं। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की प्रोक्टर डॉ. आशा शर्मा ने किया। उन्होंने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना और उन्हें स्वस्थ एवं संतुलित जीवन के लिए प्रेरित करना था। कार्यशाला में स्नातक, स्नातकोत्तर और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के करीब 70 विद्यार्थी एवं शोधार्थी शामिल हुए। अंत में प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों ने मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक समस्याओं से जुड़े सवाल पूछे। इस अवसर पर डॉ. रेनू शर्मा, डॉ. पारुल दशोरा, डॉ. पुष्पराज मीणा और डॉ. विनोद मीणा मौजूद रहे। आयोजन में डॉ. प्रियंका जैन, मनीष स्वामी, अर्जुन और ज्योति का विशेष सहयोग रहा।

माउंट आबू में आज से पक्षियों का महाकुंभ, 400 विद्यार्थी और देशभर के विशेषज्ञ जुटेंगे

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर/माउंट आबू। अरावली की वादियों में शनिवार से पक्षियों और जैव विविधता का रंगीन संसार सजेगा। माउंट आबू में पहली बार दो दिवसीय 'माउंट आबू बर्ड फेस्टिवल-2026' का आयोजन 28 और 29 नवंबर को होगा। ग्रीन पीपल सोसायटी (जीपीएस), उदयपुर की पहल पर वन विभाग, सीआरपीएफ की आंतरिक सुरक्षा अकादमी और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया के सहयोग से होने वाले इस महोत्सव में देशभर के पक्षी विज्ञानी, वन्यजीव विशेषज्ञ और प्रकृतिप्रेमी हिस्सा लेंगे। करीब 400 विद्यार्थी भी विभिन्न गतिविधियों में भाग लेंगे। महोत्सव का उद्घाटन शनिवार सुबह 11:30 बजे सीआरपीएफ की आंतरिक सुरक्षा अकादमी में होगा। उद्घाटन समारोह में जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. वीरेंद्र सिंह जाटावत और राजस्थान के मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक आईएफएस शशि शंकर पाठक सहित प्रशासनिक एवं सैन्य अधिकारी मौजूद रहेंगे। दोपहर 2:45 से शाम 5 बजे तक तकनीकी सत्र आयोजित होगा। इसमें पक्षी विज्ञानी डॉ. रजत भार्गव राजस्थान में संकटग्रस्त ग्रीन अवदावत के संरक्षण, डॉ. सुतिर्था दत्ता ग्रेट इंडियन बस्टर्ड, वन्यजीव संरक्षणकर्ता अभिषेक रे बाघों के संरक्षण और वन्यजीव जीवविज्ञानी विजयादित्य सिंह राठौड़ थार मरुस्थल में कृषि परिवर्तन एवं जैव विविधता पर विचार रखेंगे। विद्यार्थियों के लिए चित्रकला, प्रश्नोत्तरी, बर्ड वॉक और बर्ड ट्रेल जैसी गतिविधियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इनके जरिए उन्हें पक्षियों की पहचान, प्राकृतिक आवास और संरक्षण के व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराया जाएगा। ग्रीन पीपल सोसायटी के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त सीसीएफ राहुल भटनागर, उपाध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त आईएएस विक्रम सिंह ने आयोजन की पूर्व संध्या पर स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। आयोजन व्यवस्था प्रभारी प्रो. इंद्रजीत माथुर ने विद्यार्थियों के आवास, विशेष किट और अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी दी। माउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य में 250 से अधिक पक्षी प्रजातियां दर्ज हैं। इनमें ग्रीन मुनिया, इंडियन पैराडाइज फ्लाईकैचर, क्रेस्टेड सर्पेंट ईगल और इंडियन पिट्टा प्रमुख हैं। स्वर्गीय प्रकृतिविद् एवं पक्षी प्रेमी अनिल माथुर की स्मृति को समर्पित इस महोत्सव का उद्देश्य क्षेत्र की प्राकृतिक विरासत को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के साथ नई पीढ़ी को संरक्षण से जोड़ना है। आयोजक इसे प्रतिवर्ष आयोजित करने की योजना बना रहे हैं।

पत्नी जिला प्रमुख का चुनाव हारीं तो पति ने सोशल मीडिया पर मांगी माफी, लिखा- 'संजू, अभी जिला प्रमुख नहीं बनवा पाया, माफ कर देना'



24 न्यूज अपडेट

अलवर। जिला प्रमुख की कुर्सी हासिल करने के लिए पत्नी को नौकरी से वीआरएस दिलाकर चुनाव मैदान में उतारा, जिला परिषद सदस्य का चुनाव भी जिताया, लेकिन जिला प्रमुख बनने का सपना अधूरा रह गया। अलवर में चुनाव हारने के बाद सरस डेयरी के पूर्व चेयरमैन बन्नाराम मीणा ने सोशल मीडिया पर पत्नी से सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली। उनकी पोस्ट चर्चा में आ गई। हालांकि, करीब एक घंटे बाद उन्होंने पोस्ट डिलीट भी कर दी। बन्नाराम मीणा ने गुरुवार सुबह करीब 9:30 बजे सोशल मीडिया पर लिखा, 'संजू मेरी प्रिय धर्मपत्नी, मैं तुम्हें अभी जिला प्रमुख नहीं बनवा पाया, इसके लिए मुझे माफ कर देना।' बाद में उन्होंने बताया कि पत्नी संतोष मीणा चुनाव हारने के बाद निराश थीं। उन्हें लगा कि पत्नी को नौकरी छुड़वाकर चुनाव लड़ाने के फैसले के लिए माफी मांगनी चाहिए, इसलिए उन्होंने यह पोस्ट लिखी।

13 साल की नौकरी बाकी थी, चुनाव से पहले लिया वीआरएस

संतोष मीणा स्कूल लेक्चरर थीं और उनकी नौकरी के करीब 13 साल बाकी थे। जिला प्रमुख चुनाव से लगभग एक महीने पहले उन्होंने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली। बन्नाराम मीणा का मूल गांव रैणी है। ऐसे में उन्होंने पत्नी संतोष मीणा को रैणी क्षेत्र से जिला परिषद सदस्य का चुनाव लड़वाया। संतोष ने अच्छे मतों से जीत दर्ज की और इसके बाद भाजपा ने उन्हें जिला प्रमुख पद का प्रत्याशी बनाया।

चार सदस्यों वाली भाजपा के लिए जुटाए आठ वोट

इस बार अलवर जिला प्रमुख का पद अनुसूचित जनजाति महिला के लिए आरक्षित था। बन्नाराम मीणा को उम्मीद थी कि पत्नी इस पद तक पहुंच सकती हैं। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से उनकी नजदीकी के चलते संतोष मीणा की उम्मीदवारी को लेकर भी चर्चा थी। भाजपा ने उन्हें प्रत्याशी बनाया, लेकिन जिला परिषद में पार्टी के केवल चार सदस्य ही जीतकर आए थे। बन्नाराम मीणा ने समर्थन जुटाने के प्रयास किए और भाजपा के चार सदस्यों की संख्या बढ़कर आठ तक पहुंची। इसके बावजूद संतोष मीणा जिला प्रमुख का चुनाव 23 वोट से हार गईं।

'मैंने समझाया तो चुनाव लड़ने के लिए तैयार हुईं'

पोस्ट हटाने के बाद बन्नाराम मीणा ने बताया कि संतोष चुनाव लड़ने के लिए पहले तैयार नहीं थीं। उन्होंने समझाया तो पत्नी मान गईं और नौकरी से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर चुनाव लड़ा। जिला परिषद सदस्य का चुनाव जीतने के बाद भी जिला प्रमुख नहीं बन पाने से वह निराश थीं। पत्नी जिला प्रमुख का चुनाव हारीं तो पति ने सोशल मीडिया पर मांगी माफी, लिखा- 'संजू, अभी जिला प्रमुख नहीं बनवा पाया, माफ कर देना' अलवर। जिला प्रमुख की कुर्सी हासिल करने के लिए पत्नी को नौकरी से वीआरएस दिलाकर चुनाव मैदान में उतारा, जिला परिषद सदस्य का चुनाव भी जिताया, लेकिन जिला प्रमुख बनने का सपना अधूरा रह गया। अलवर में चुनाव हारने के बाद सरस डेयरी के पूर्व चेयरमैन बन्नाराम मीणा ने सोशल मीडिया पर पत्नी से सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली। उनकी पोस्ट चर्चा में आ गई। हालांकि, करीब एक घंटे बाद उन्होंने पोस्ट डिलीट भी कर दी। बन्नाराम मीणा ने गुरुवार सुबह करीब 9:30 बजे सोशल मीडिया पर लिखा, 'संजू मेरी प्रिय धर्मपत्नी, मैं तुम्हें अभी जिला प्रमुख नहीं बनवा पाया, इसके लिए मुझे माफ कर देना।' बाद में उन्होंने बताया कि पत्नी संतोष मीणा चुनाव हारने के बाद निराश थीं। उन्हें लगा कि पत्नी को नौकरी छुड़वाकर चुनाव लड़ाने के फैसले के लिए माफी मांगनी चाहिए, इसलिए उन्होंने यह पोस्ट लिखी।

स्वरूपसागर व्यायामशाला में 29 को जिला स्तरीय सीनियर कुश्ती चयन प्रतियोगिता, तीनों शैलियों में होंगे मुकाबले



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शक्तिनगर स्थित संत निवास वैकुंठ धाम में पूज्य सतगुरु श्री बाबा द्वारकादास जी महाराज साहिब की 46वीं वर्षी (बारामसी) के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय धार्मिक महोत्सव शुक्रवार को श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ शुरू हुआ। वैकुंठ धाम में पहले दिन सुबह से ही भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। वैकुंठ धाम के गुरुजी शैलेश संत कुमार ब्रिजवानी ने बताया कि महोत्सव के पहले दिन सुबह 8 बजे आसादीवार एवं शब्द कीर्तन हुए। इसके बाद स्वस्तिक पूजन और आरती की गई। दोपहर 12 बजे श्री गुरुग्रंथ साहिब के अखंड पाठ साहिब का शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय आयोजन में महिला सत्संग, विशेष रात्रि कीर्तन और आरती के कार्यक्रम भी होंगे। शनिवार को सुबह 8 बजे आसादीवार एवं शब्द कीर्तन और 9 बजे आरती होगी। शाम 5 से 6:30 बजे तक महिला सत्संग रखा गया है। रात 7 बजे विशेष रात्रि कीर्तन और आरती होगी। महोत्सव का समापन रविवार, 29 नवंबर को होगा। सुबह 9 बजे आसादीवार एवं शब्द कीर्तन के बाद दोपहर 12 बजे रागमाला के साथ श्री अखंड पाठ साहिब का भोग लगाया जाएगा। इसके बाद आरती, अरदास और लंगर साहिब का आयोजन होगा। लंगर प्रसादी की व्यवस्था शक्तिनगर स्थित श्री बिलोचिस्तान भवन में की गई है। तीन दिवसीय महोत्सव में श्रद्धालु सतगुरु बाबा द्वारकादास जी महाराज की शिक्षाओं का स्मरण कर आध्यात्मिक वातावरण में सहभागी बनेंगे। आयोजन समिति ने धर्मप्रेमियों से कार्यक्रमों में शामिल होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।



24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।